# ओमशान्ति मीडिया

वर्ष - 28 | जुलाई - 2026 | अंक - 07 | माउंट आबू | Rs.- 20


### ज्ञान सरोवर में त्रि-दिवसीय ग्राम विकास सम्मेलन का सफल आयोजन

## भारत की आत्मा 'गाँव' के बहुमुखी विकास पर दिया ज़ोर : कुलपति

**ज्ञान सरोवर-माउंट आबू(राज.)।** ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में वक्ताओं ने किसानों के मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक सशक्तिकरण पर ज़ोर दिया। राजऋषि गाँव की अवधारणा पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कहा कि बदलते प्राकृतिक परिवेश, नई चुनौतियों के बीच किसानों को अध्यात्म, राजयोग से आत्मबल बढ़ाना होगा। मुंबई नाबार्ड के पूर्व डीजीएम राजेश दवे ने कहा कि प्रकृति मानव की ज़रूरतें पूरी कर सकती है। प्राकृतिक नियमों के अनुरूप जीवनशैली ज़रूरी है। किसानों की संवेदनाएं समझनी होंगी। उनकी समस्याएं समझनी होंगी। किसान विकास को प्राथमिकता देनी होगी। अध्यात्म से किसानों का मनोबल मजबूत हो सकता है। राजयोगी ब्र.कु. राजू,उपाध्यक्ष, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग ने कहा कि जीवन का मूल आधार चिंतन है और चिंतनधारा को परिवर्तन करने का आधार आध्यात्मिकता है। ब्र.कु. बीडी विशाल ने बताया कि सनातन संस्कृति को अपनाकर ही किसान समृद्ध और खुशहाल बन सकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि पहले का किसान आत्मनिर्भर था, लेकिन आज दूसरों पर आश्रित है। उन्होंने धरती माँ को 'ज़हर'(रसायनों) से बचाने और आध्यात्मिकता अपनाने पर ज़ोर दिया। हितेश पटेल,अध्यक्ष,गुजरात प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि अध्यात्म से जुड़कर किसान अपनी 50प्रतिशत समस्याओं को सहज ही समाप्त कर सकते हैं। राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,अध्यक्षा,मेहसाणा ने कहा कि आध्यात्मिकता से ही गाँव आत्मनिर्भर बनेंगे। किसान हमारे देश की वह हस्ती है जिससे पूरी दुनिया हँसती है। राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय,एडिशनल सेक्रेटरी जनरल ने कहा कि जहाँ प्रेम है वहाँ खुशी है और जहाँ खुशी है वहाँ क्रोध हो ही नहीं सकता। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. तृप्ति दीदी,राष्ट्रीय संयोजिका,सूरत द्वारा किया गया।



सुरेखा नाडगौडर, कुलपति ने कहा कि देश की आत्मा गाँव है और गाँव का आधार किसान है। उन्होंने किसानों के बहुमुखी विकास पर ज़ोर देने की आवश्यकता बताई।

**आज पाँच बीज बोने की ज़रूरत :** राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने जीवन में पाँच बीज बोने की प्रेरणा दी। ज्ञान, शांति, प्रेम, पवित्रता और आनंद। उन्होंने कहा कि स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा को याद करना ही असली कृपा है।

**यौगिक और जैविक खेती ज़रूरी:** गुजरात भरूच फार्मब्रिज के निदेशक महर्षि दवे ने कहा कि यौगिक और जैविक खेती ज़रूरी है। किसानों को राजयोग से जोड़ना चाहिए। इससे मानसिक शांति और आत्मविश्वास बढ़ता है। जैविक खेती स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इससे भूमि की गुणवत्ता बनी रहती है। दिल्ली शिवनादर फाउंडेशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रोबिन सरकार ने कहा कि गाँवों का सर्वांगीण विकास चाहिए। आपसी प्रेम ज़रूरी है। एकता ज़रूरी है। ग्रामीण जीवनशैली को भारतीय संस्कृति, मूल्यों से जुड़कर आगे बढ़ना चाहिए।

**जैविक खाद के उपयोग से अनाज की गुणवत्ता बढ़ती :** जयपुर के जहोटा गाँव के सरपंच श्याम प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि किसान के सकारात्मक संकल्प खेती पर असर डालते हैं और उत्पादन भी बढ़ता है। जैविक खाद के उपयोग से अनाज की गुणवत्ता बढ़ती है। पौष्टिकता बढ़ती है।

## नर्सिंग प्रोफेशन सेवा भाव, समर्पण और त्याग से जुड़ा है - डॉ. छाबड़ा

**रायपुर छ.ग.।** ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट में अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रायपुर संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि आज का दिन सेवा, त्याग और करुणा को नमन करने का दिन है। आज का दिन नर्सों के लिए बहुत ही विशेष है। नर्स एक व्यवसाय नहीं बल्कि सेवा भावना है। वह दया, करुणा और ममता की मूर्ति होती हैं। नर्स सिर्फ दवाई नहीं देती है बल्कि टूटे हुए मन को आशा का सम्बल प्रदान करती है। वह केवल इंजेक्शन नहीं लगाती है अपितु डर से कांप रहे मरीज को हिम्मत देती है। वह सिर्फ रिपोर्ट नहीं देखती है लेकिन मरीज के दर्द को गहराई से महसूस भी करती है। अस्पतालों में टेक्नोलॉजी बढ़ गई है लेकिन मरीज को सबसे ज्यादा ज़रूरत मानवीय संवेदना की होती है जोकि नर्स ही दे सकती है। उन्होंने सभी को राजयोग मेडिटेशन सीखने का सुझाव देते हुए कहा कि जब आपका मन शांत होगा तो और अच्छी तरह मरीज की सेवा कर सकेंगे। श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप छाबड़ा ने कहा कि नर्सिंग प्रोफेशन मेडिकल प्रोफेशन की बैकबोन है। उन्होंने नर्स(NURSE) शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि एन(N) का मतलब होता है नोबल अर्थात् उत्कृष्ठ, यू(U) का मतलब होता है अंडरस्टैंडिंग अर्थात् समझदारी, आर(R) का मतलब होता है रिसपॉन्सिबिलिटी अर्थात् ज़िम्मेदारी, एस(S) का मतलब होता है सिम्पैथिटिक अर्थात् दया से भरपूर, ई(E) का मतलब होता है एफिशिएंट अर्थात् दक्ष। छत्तीसगढ़ नर्सिंग कॉलेज की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. भारती वैष्णव ने कहा कि नर्स मरीजों की देखभाल बड़े प्रेम से करती है। मरीज के अन्दर अगर कोई जीने की इच्छा और आत्मविश्वास पैदा कर सकती है तो वह है नर्स। श्रीबालाजी नर्सिंग कॉलेज की उप प्राचार्या डॉ. कविता सिंह तोमर ने कहा कि मशहूर नर्स फ्लोरेन्स नाईटएंगल के जन्मदिन को नर्स दिवस के रूप में मनाते हैं। मरीज को सबसे अधिक नर्स की ज़रूरत होती है। हमें इन्हें अच्छी सुविधाएं देनी चाहिए ताकि यह लोग अच्छे से अपना कार्य कर सकें। ब्र.कु. अदिति ने बताया कि नर्स प्रोफेशन दुआएं कमाने का महान कर्म है। कार्यक्रम में प्राचार्या वर्तिका शोलोमन सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

## अभियान से मनुष्य पर्यावरण व आपदा के प्रति जागरूक होंगे

**पानीपत-हरियाणा।** ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में एक विराट संत सम्मेलन एवं साइंटिस्ट इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट विंग की ओर से पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन अभियान का शुभारम्भ किया गया। "सामाजिक उत्थान में साधु-संतों की भूमिका" पर आयोजित विराट संत सम्मेलन एवं कैंपेन का लॉन्चिंग अत्यंत गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी,धार्मिक प्रभाग अध्यक्षा,प्रयागराज ने कहा कि आध्यात्मिक चेतना ही विश्व शांति की सच्ची आधारशिला है। सर्व मनुष्य आत्माओं के निराकार पिता परमात्मा एक शिव हैं। उनके सत्य स्वरूप को पहचान कर जो उनकी याद में रहते हैं उन्हें असीम शांति व सुख की प्राप्ति होती है। जगतगुरु स्वामी सतीश आचार्य ने नैतिक शिक्षा और आत्मसंयम को सामाजिक उत्थान का मूल बताया। राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल,चेयरपर्सन इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट विंग,माउंट आबू ने कहा कि आध्यात्मिक जागरूकता ही मानव जीवन को श्रेष्ठ दिशा प्रदान करती है और समाज में नैतिकता का संचार करती है। आचार्य महामंडलेश्वर कमल किशोर,सहारनपुर ने संतों की भूमिका को समाज में सद्भाव और नैतिकता का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। महामंडलेश्वर गोस्वामी सुशील महाराज ने कहा कि चरित्र निर्माण ही राष्ट्र निर्माण का आधार है। राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,पानीपत सर्कल इंचार्ज ने कहा कि वर्तमान समय में मानव जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश ही स्थायी शांति और सामाजिक समरसता का आधार बन सकता है। राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु. पियूष,ज़ोनल कोऑर्डिनेटर सी विंग,दिल्ली ज़ोन ने अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ब्र.कु. शैली,अम्बाला ने सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति शपथ दिलाई। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. माधुरी,भिलाई ने किया।




**पानीपत से पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन अभियान का शुभारम्भ और समापन हुआ श्रीनगर में**